

प्रेस नोट

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

एसकेआरएयू में शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर डिस्पेंसरी का कुलपति व जिला कलेक्टर ने किया उद्घाटन

बीकानेर, 26 अक्टूबर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को राजस्थान सरकार की डिस्पेंसरी "शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर" का उद्घाटन कुलपति डॉ अरुण कुमार व जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने किया। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री, सीएमएचओ डॉ राजेश गुप्ता, डिप्टी सीएमएचओ (हेल्थ) डॉ लोकेश गुप्ता, भू-सृदश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ दीपाली धवन, कृषि कॉलेज अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया, डॉ गरिमा समेत डिस्पेंसरी का नर्सिंग स्टाफ व कृषि विश्वविद्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि अब तक स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर छात्र-छात्राओं व स्टाफ को ईलाज के लिए विश्वविद्यालय कैम्पस से बाहर जाना पड़ता था। अब डिस्पेंसरी शुरू होने से कृषि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं और स्टाफ को बड़ा लाभ मिलेगा। डिस्पेंसरी खोलने को लेकर उन्होंने राज्य सरकार और जिला कलेक्टर का आभार भी जताया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि यह डिस्पेंसरी पुराने लैंडस्केप कार्यालय में स्थापित की गई है। जो सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक खुली रहेगी। इसमें एक डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ समेत कुल 07 कर्मिकों का स्टाफ लगाया गया है।

प्रेस नोट

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

विद्यार्थी नशे से दूर रहें , यातायात नियमों का पालन करें और पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी हिस्सा लें - श्री कावेन्द्र सिंह सागर, जिला पुलिस अधीक्षक

एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में बोले एसपी

बीकानेर, 25 अक्टूबर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह जिला पुलिस अधीक्षक श्री कावेन्द्र सिंह सागर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री समेत सभी डीन, डायरेक्टर्स, खिलाड़ी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए एसपी श्री कावेन्द्र सिंह सागर ने कहा कि विद्यार्थीगण नशे से दूर रहें और ट्रैफिक नियमों की पालना करें। विद्यार्थीगण पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि जब वे स्कूल व कॉलेज में थे तो खेलों में खूब हिस्सा लिया करते थे। पढ़ाई के साथ खेलकूद में हिस्सा लेने से विद्यार्थी का शारीरिक व मानसिक विकास होता है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर छात्र कल्याण व स्पोर्ट्स बोर्ड के पदाधिकारियों को बधाई दी। साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों से संबद्ध सातों कॉलेज में खेल सुविधाओं का और विकास करने के निर्देश निदेशक छात्र कल्याण को दिए। कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने कहा कि चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने खेल भावना के साथ बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

ये रहे विजेता निदेशक छात्र कल्याण डॉ निर्मल सिंह दहिया ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के सात संबद्ध कॉलेजों के करीब 300 खिलाड़ियों ने इन खेलों में हिस्सा लिया। खेल प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस व वॉलीबॉल में कृषि कॉलेज बीकानेर, कबड्डी व एथलेटिक्स में कृषि कॉलेज श्रीगंगानगर और शतरंज में मंडावा कॉलेज झुंझुनू चैंपियन रहा। महिला वर्ग में वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और टेबल टेनिस में कृषि महाविद्यालय बीकानेर, शतरंज में श्रीगंगानगर व एथलेटिक्स में मंडावा कॉलेज झुंझुनू चैंपियन बना। धन्यवाद ज्ञापन डॉ वी.एस.आचार्य ने किया। मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ व डॉ सुशील कुमार ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स व स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रेस नोट

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

सरकारी धन के उपयोग में राज्य सरकार द्वारा जारी नियमों की पालना सुनिश्चित की जाए ताकि सरकारी खरीद में पारदर्शिता बनी रहे- डॉ अरुण कुमार, कुलपति, एसकेआरएयू

एसकेआरएयू में आरटीपीपी एक्ट विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

बीकानेर, 26 अक्टूबर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राज्य लोक उपापन (खरीद) में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 (आरटीपीपी एक्ट) विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन कुलपति डॉ अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में हुआ। मानव संसाधन विकास विकास निदेशालय के सभागार में आयोजित समापन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के वित्तीय सलाहकार श्री संजय धवन व वित्तीय नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री थे। विदित है कि दो दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट जयपुर द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि सार्वजनिक धन के उपयोग में राज्य सरकार द्वारा जारी नियमों की पालना सुनिश्चित की जाए ताकि सरकारी खरीद में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही लोक सेवकों को सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर जोर दिया। कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने कहा कि वर्ष 2012 में लाए गए इस अधिनियम व इसके संबद्ध नियमों पर चर्चा के साथ साथ दस वर्षों से अधिक समय से उपयोग में लेने के फलस्वरूप इसमें आ रही व्यावहारिक समस्याओं के निराकरण हेतु इसमें संशोधन एवं अधिक व्यापक बनाने पर विचार किया जाए।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के वित्तीय सलाहकार श्री संजय धवन ने अपने संबोधन में कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर सराहना की। साथ ही प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को उपयोग में लेने व सकारात्मक रूप से कार्य करने पर बल दिया। वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण राजकीय कार्मिकों को अद्यतन रखते हैं व नियमों के प्रति समझ विकसित होती है। प्रतिभागियों ने भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।

मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन करीब 65 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व विषय विशेषज्ञों माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के वित्तीय सलाहकार श्री संजय धवन, पीएफएमटीआई सहायक निदेशक श्री योगेन्द्र बागड़ा, पीएचईडी के सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता श्री अनिल जैन ने प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के आखिर में पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट जयपुर के संयुक्त निदेशक श्री परशुराम सैनी ने सभी अतिथियों, विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया व डीएचआरडी निदेशक डॉ दीपाली धवन द्वारा प्रशिक्षण स्थल की गई बेहतरीन व्यवस्थाओं की सराहना की।